भरोसेमंद एसयूवी टाटा सिएरा का नया अवतार

90 के दशक की मशहूर एसयूवी टाटा सिएरा भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में एक बार फिर हलचल मचाने को तैयार है। पेट्रोल और डीजल वर्जन केबाद, इलेक्ट्रिक मॉडल, लेवल 2 एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) और ट्रिपल स्क्रीन फीचर्स के साथ लौट रही है। टाटा मोटर्स, हमेशा से अपनी मजबूत और भरोसेमंद एसयूवी के लिए जानी जाती है। टाटा अपनी लोकप्रिय कार 'सिएरा' को नए अवतार में वापस लाने की तैयारी में है। कंपनी इस बार इसे केवल एक कॉम्पैक्ट एसयूवी नहीं, बल्कि एक हाईटेक, प्रीमियम इलेक्ट्रिक और एडवांस्ड स्मार्ट मशीन के रूप में पेश करने की योजना बना रही है।

क्या कहना है एक्पर्ट का

टाटा मोटर्स की यह रणनीति उनके ईवी पोर्टफोलियो को मजबूत करेगी और उन्हें ग्लोबल ईवी बाजार में एक मजबूत स्थिति दिलाएगी। नई सिएरा सिर्फ एक एसयूवी नहीं होगी, बल्कि यह भारतीय बाजार में टेक्नोलॉजी, आराम और सुरक्षा का नया मानक सेट करेगी।

ऑटो इंडस्ट्री एनालिस्ट

टाटा सिएरा का रीलॉन्चिंग सिर्फ एक कार का लॉन्च नहीं होना नहीं है, बल्कि यह भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में एक नए युग की शुरुआत हो सकती है। इलेक्ट्रिक वर्जन के साथ इसकी शुरुआत और पेट्रोल-डीजल मॉडल के बाद में आगमन, इसे हर तरह के ग्राहकों के लिए आकर्षक और बेहतर विकल्प बना देगा। आने वाला साल एसयूवी और ईवी प्रेमियों के लिए रोमांचक साबित होने वाला है।

सिएरा का इलेक्ट्रिक वर्जन

टाटा मोटर्स का निर्णय है कि यह नई सिएरा पहले इलेक्ट्रिक वर्जन के रूप में लॉन्च होगी। इसका मतलब है कि भारत में यह एसयूवी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। पेट्रोल और डीज़ल मॉडल बाद में बाजार में उपलब्ध होंगे। यह रणनीति टाटा मोटर्स को ईवी सेगमेंट में पहले स्थान पर लाने के साथ-साथ पर्यावरण और भविष्य की टेक्नोलॉजी में भी आगे बढ़ाएगी।

लॉन्चिंग का समय

ऑटोमोबाइल बाजार की खबरों की माने तो टाटा मोटर्स इस नई सिएरा को अगले साल की शुरुआत में भारतीय बाजार में पेश कर सकती है। यह कदम कंपनी के लिए सिर्फ एक नई गाड़ी लॉन्च करने से कहीं अधिक ब्रांड की विरासत को आगे बढ़ाने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में नेतृत्व दर्ज करने का अवसर है।

क्यों है महत्वपूर्ण

टाटा सिएरा की वापसी भारतीय एसयूवी प्रेमियों के लिए एक भावुक पल होगा, क्योंकि एसयूवी के शौकीन लोगों के लिए यह कार 90 के दशक में बेहद लोकप्रिय थी।

- इलेक्ट्रिक वर्जन भारतीय ईवी मार्केट में एक नई दिशा दे सकता है।
- एडीएएस और ट्रिपल स्क्रीन जैसे फीचर्स इसे प्रीमियम सेगमेंट में सीधे प्रतिस्पर्धी बनाएंगे।

हाई-टेक फीचर्स

ट्रिपल स्क्रीन लेआउट

इन्फोटेनमेंट, ड्राइव डेटा और नेविगेशन के लिए तीन अलग स्क्रीन, जिससे इंटरफेस और राइड एक्सपीरियंस बेहतरीन होगा।

लेवल 2 एडीएएस

इसमें लेन कीपिंग, ऑटोमैटिक ब्रेकिंग, अडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और ब्लाइंड-स्पॉट डिटेक्शन जैसे फीचर्स शामिल हो सकते हैं।

मॉडर्न डिजाइन : एयरोडायनामिक बॉडी, एलईडी लाइट्स, प्रीमियम इंटीरियर्स और स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ मॉडर्न डिजाइन में उपलब्ध रहेगी।

इंजन और परफॉर्मेंस

इलेक्ट्रिक वर्जन (ईवी) में हैरियर ईवी जैसा ड्यूल-मोटर सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिससे इसे ऑल-व्हील ड्राइव (एडब्ल्यूडी) क्षमता मिल सकती है। इसकी रेंज 500 किमी से ज्यादा होने की भी उम्मीद है।

पेट्रोल वेरिएंट

इसमें नया डेवलप किया गया 1.5-लीटर टर्बोचार्ज्ड इंजन मिल सकता है, जो लगभग 168 पीएस की पावर और 280 एनएम का टॉर्क देगा।

टाट की नई सिएरा में ग्राहकों को मिलने वाले फीचर्स इसे बाजार में एक अलग पहचान देने वाले साबित होंगे।

डीजल वेरिएंट

डीजल वेरिएंट में 2.0-लीटर डीजल इंजन मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 170 पीएस की पावर और 350 एनएम का टॉर्क देगा।

ट्रांसमिशन

ग्राहकों को 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प मिल सकता है।

टिप्स

बाइक सिर्फ सवारी नहीं, एक एहसास है... रखें इसका भी ख्याल

बहुत से लोगों के लिए 'बाइक' सिर्फ एक जगह से दूसरी जगह जाने का जरिया नहीं होती, बल्कि एक इमोशनल अटैचमेंट होता है। दोस्तों के साथ शाम की सैर हो या किसी शादी-ब्याह में स्टेशन से मेहमानों को लाना हो। हर वक्त बाइक साथ निभाती है। यहां तक कि अगर मूड खराब हो, तो ठंडी हवा खाने के लिए भी यही साथी बन जाती है। क्या कभी सोचा है कि जितनी वफादारी से बाइक आपका साथ देती है, क्या आप उतनी ही ईमानदारी से उसकी देखभाल करते हैं? क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही उसके इंजन को नुकसान पहुंचा सकती है। इंजन को बाइक का दिल माना जाता है। अगर ये ठीक न रहे, तो पूरी मशीनरी पर असर पड़ता है और मरम्मत में जेब भी हल्की हो जाती है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि इंजन ऑयल कब बदलना चाहिए, ताकि आपकी बाइक हमेशा फिट और फास्ट बनी रहे।

■ इंजन से तेज आवाज आना

आपकी बाइक का इंजन पहले से ज्यादा आवाज करने लगे, तो यह संकेत हैं कि बाइक का इंजन ऑयल बदलने का समय आ गया है, क्योंकि नया ऑयल इंजन के पार्ट्स पर सेफ्टी लेयर बनाता है, जिससे धातु के पुर्जे आसानी से चल सकें। जब यह लेयर कमजोर हो जाती है, तो पुर्जों में घर्षण बढ़ जाता है और इंजन की आवाज तेज हो जाती है।

■ इंजन का जल्दी गर्म होना

आपकी बाइक थोड़ी देर चलाने पर ही गरम होने लग जाती है, तो यह संकेत है कि इंजन ऑयल या तो कम हो गया है या खराब हो चुका है। खराब ऑयल इंजन को पर्याप्त लुब्रिकेशन नहीं देता, जिससे इंजन पर ज़ोर पड़ता है और डैमेज का खतरा बढ़ जाता है। यह बाइक की इंजन की लाइफ पर भी असर डालता है।

■ बाइक की स्पीड कम होना

अगर आपकी बाइक पहले जैसा स्पीड और जैसी स्मूद राइड नहीं दे पा रही है और ज्यादा एक्सीलरेटर देने पर भी स्पीड नहीं बढ़ रही? यह संकेत है कि इंजन ऑयल अपना असर खो चुका है। कम लुब्रिकेशन से पावर आउटपुट घट जाता है, जिससे बाइक की परफॉर्मेंस डाउन हो जाती है।

■ ऑयल लेवल कम दिखना

बाइक के इंजन ब्लॉक के साइड में बनी छोटी सी खिड़की से ऑयल लेवल देखा जा सकता है। अगर तेल का स्तर मिनिमम मार्क से नीचे चला गया है तो बिना देरी किए बाइक के इंजन का ऑयल चेंज करवा लें। इंजन की सेहत जांचने का यह सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका है।

■ ऑयल का रंग बदल जाना

नए इंजन ऑयल का रंग हल्का भूरा होता है, जबकि पुराना ऑयल काला और गाढ़ा हो जाता है। अगर डिपस्टिक या उंगली से जांचने पर ऑयल खुरदुरा लगे या उसमें छोटे-छोटे कण दिखाई दें, तो ये साफ संकेत है कि अब ऑयल बदलने का वक्त आ गया है।

सफर में कार की बैटरी डेड होने पर अपनाएं ये आसान ट्रिक्स

कार किसी भी सफर को आरामदायक और यादगार बनाती है, लेकिन अगर बीच रास्ते में इंजन अचानक बंद पड़ जाए और कार स्टार्ट न हो, तो यह किसी भी ड्राइवर के लिए तनाव भरा पल बन जाता है। खासकर तब, जब आप किसी सुनसान जगह पर हों और मदद के लिए आसपास कोई भी इंसान न दिखे। अक्सर यह परेशानी कार की बैटरी डेड होने की वजह से होती है। बैटरी खत्म हो जाने पर गाड़ी स्टार्ट नहीं होती और लोग घबरा जाते हैं। यह हमेशा हमारी जरा सी लापरवाही की वजह से हमको इस स्थिति से दो-चार होना पड़ता है। सफर में गाड़ी जब भी बंद हो जाए या बैटरी डेड हो जाए तो हमको घबराने या चिंता करने की जरूरत नहीं है। ऐसे में कुछ आसान और कारगर उपाय अपनाकर आप अपनी कार को खुद स्टार्ट कर सकते हैं और इस मुश्किल हालात से आसानी से बाहर निकल सकते हैं। आज हम आपको वह टिप्स बताते हैं, जिनको अपनाकर आप डेड बैटरी के कारण सफर के बीच में बंद हुई कार को स्टार्ट कर सकते हैं। आइए जानते हैं वो ट्रिक्स-

■ धक्का देकर करें स्टार्ट

कार को धक्का देकर स्टार्ट करना सबसे पुराना, लेकिन आज भी असरदार तरीका है। सबसे पहले गाड़ी को न्यूट्रल गियर में डालें और इग्निशन ऑन करें। अब किसी साथी से कहें कि वो कार को पीछे से धक्का लगाए। जैसे ही कार थोड़ी रफ्तार पकड़ ले, क्लच दबाएं, दूसरे या तीसरे गियर में डालें और धीरे-धीरे क्लच छोड़ दें। अक्सर पहली या दूसरी कोशिश में ही इंजन चालू हो जाता है। यह तरीका खासतौर पर मैनुअल ट्रांसमिशन वाली कारों में काम करता है।

■ जंपर केबल का करें प्रयोग

अगर आपके पास जंपर केबल है और आसपास कोई दूसरी गाड़ी मौजूद है तो यह सबसे आसान समाधान है। दोनों गाड़ियों को पास-पास खड़ा करें और ध्यान रखें कि दोनों के इंजन बंद हों। अब जंपर केबल को दूसरी कार की बैटरी से जोड़कर अपनी गाड़ी की बैटरी में लगाएं। इसके बाद कार को स्टार्ट करने की कोशिश करें। ज्यादातर मामलों में इंजन तुरंत चालू हो जाता है। इसलिए एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि कार में हमेशा जंपर केबल रखना चाहिए, ताकि ऐसी स्थिति में परेशानी न हो।

एक्सपर्ट की सलाह

ऑटो एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आपकी कार लंबे समय तक पार्क रहती है या रोजाना इस्तेमाल में नहीं आती, तो बैटरी जल्दी कमजोर हो जाती है। ऐसे में समय-समय पर इंजन चालू कर बैटरी को एक्टिव रखना जरूरी है। इसके अलावा, लाइट, म्यूजिक सिस्टम या एसी चालू छोड़कर इंजन बंद न करें, क्योंकि इससे बैटरी पर अतिरिक्त लोड पड़ता है।

कार स्टार्ट होने के बाद करें ये काम

अगर आपकी कार धक्का देकर या जंपर केबल से स्टार्ट हो गई है, तो उसे तुरंत बंद न करें। कम से कम 20 से 30 मिनट तक चलाएं या थोड़ी दूरी तक ड्राइव करें। इससे बैटरी दोबारा चार्ज हो जाएगी। इसके बाद बैटरी की स्थिति जांच लें। अगर वोल्टेज कम है या चार्ज जल्दी खत्म हो रहा है, तो नई बैटरी लगवाना ही बेहतर विकल्प रहेगा। इससे आगे ऐसी समस्या दोबारा नहीं होगी।